HINDI

(SECOND LANGUAGE)

Maximum Marks : 80

(Three Hours)

Answers to this paper must be written on the paper provided separately

*You will **not** be allowed to write during the first **15** minutes*

This time is to be spent in reading the question paper

The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers .

*This paper comprises of two sections **: section A and section B .***

*Attempt all the questions from **section A** .Attempt four questions from **section B** .answering at least one question each from **two** books you have studied and any two other questions from the same books you compulsorily chosen .*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ]

SECTION A (40 MARKS)

Attempt **all** questions

Question 1

Write a short composition of Hindi approximately 250 words on any one of the following topics:-
निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए

(i) "मज़हब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना "-उक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए |

(ii) संयुक्त परिवार के किसी ऐसे उत्सव के आनंद का विस्तार से वर्णन कीजिए ,जहाँ आपके परिवार के सभी परिजन उपस्थित थे |

(iii) यात्रा करना एक उत्तम मनोरंजन है | यात्रा करने से ज्ञान तो बढ़ता ही है ,स्थान विशेष की संस्कृति तथा परम्पराओं का परिचय भी मिलता है | अपनी किसी यात्रा के अनुभव तथा रोमांच का वर्णन करते हुए प्रस्ताव लिखिए |

(iv) अपने विद्यालय के एक ऐसे सहपाठी के गुणों का वर्णन कीजिये, जिसे आप अपना मित्र बनाना चाहते है |

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर ,उसका परिचय देते हुए कोई लेख ,घटना अथवा कहानी लिखिए,जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए|

Question 2

Write a letter in HINDI in approximately 120 words on any one of the topics below :-

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i)आप जवरग्रस्त (बुखार) है | डॉक्टर ने आपको तीन दिन आराम करने की सलाह दी है | इसका उल्लेख करते हुए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य जी को अवकाश हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए |

(ii) भविष्य में दसवीं के बाद आप क्या बनना चाहते है | इससे अवगत करवाते हुए अपने मामा जी को पत्र लिखिए |

Question 3

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

उज्जैन नगरी में महाराजा विक्रमादित्य की सवारी निकल रही थी | महाराज की सवारी एक ऐसे भवन के सामने जा पहुँची ,जो अधिकांश भवनों से भव्य था | महाराज ने अपने महामंत्री पूछा ,"यह भवन किसका है ?"

महामंत्री ने बताया की यह भवन सदानंद नाम के एक ब्राह्मण का है ,जो पिछली दीपावली के दिन आपसे दान माँगने आया था | महाराज को तुरंत उस घटना का स्मरण हो आया | जब एक दुबला-पतला, भूखा-नंगा वृद्ध सदानंद उनके दरबार में दान माँगने उपस्थित हुआ था |

विक्रमादित्य आश्चर्य में पड़ गए की मैंने तो ब्राह्मण को मात्र दो मुद्राएँ दी थीं , फिर यह चमत्कार कैसे हुआ ? विक्रमादित्य के सामने पिछले वर्ष का वह दृश्य उपस्थित हो गया जब सदानंद दरबार में आया था | राजा ने ब्राह्मण की दीन -हीन दशा देखकर कोषाध्यक्ष को एक अंजलि स्वर्ण मुद्राएँ

ब्राह्मण को देने को कहा | सदानंद ने विनम्रतापूर्वक कहा ," महाराज मैं ये मुद्राएँ नहीं ले सकता | " यह सुनकर महाराज को आश्चर्य भी हुआ और

क्रोध भी आया , परंतु उन्होंने शांत भाव से पूछा ," ब्राह्मण देवता , आप ये मुद्राएँ क्यों नहीं लेना चाहते ?" सदानंद ने उत्तर दिया ," महाराज , इसलिए क्योंकि ये मुद्राएँ आपकी नहीं है |" महाराज को क्रोध आ गया उन्होंने कठोर स्वर में कहा ," यह राज्य मेरा है | राज्य के खजाने पर मेरा अधिकार है , तब ये मुद्राएँ भी मेरी हैं |" सदानंद ने कहा ," महाराज, आप प्रजा के सेवक हैं और यह संपत्ति भी प्रजा की ही है | " महाराज बोले ,"ब्राह्मण देवता, आप भी तो प्रजा का भाग हैं ,तब तो आप ये मुद्राएँ ले सकते हैं |" ब्राह्मण बोले ," मैं व्यक्ति हूँ , समाज नहीं, इसलिए समाज की संपत्ति पर मेरा कोई अधिकार नहीं है |

यह सुनकर विक्रमादित्य मौन हो गए , फिर कुछ सोचकर बोले ,"इस प्रकार मेरे पास तो ऐसा कुछ नहीं है , जिसे मैं अपना कहकर किसी को दे सकूँ | मुझे तो आज अपने राज्य में अपने से निर्धन कोई अन्य व्यक्ति नहीं दिख रहा | "

सदानंद ने निर्भीक वाणी में उत्तर दिया ,"महाराज ,निर्धन वह नहीं है , जिसके पास धन नहीं है , अपितु वह है , जिसने परिश्रम से मुँह मोड़ लिया है | आपके पास पुष्ट प्रबल हाथ हैं , कुशाग्र बुद्धि है , संयमित है , फिर आपको निर्धन कैसे कहा जा सकता है |" ब्राह्मण की इस प्रकार की बातें सुनकर सभासदों को क्रोध आ गया , कुछ ने तो उठकर म्यानों से तलवारें खींच लीं | महाराज ने सभासदों को शांत करते हुए कहा ,"आप ठीक कहते हैं ब्राह्मण देवता ! मुझे एक समय से राज्य के शासन का कार्य सौंपा हुआ है , किन्तु याद नहीं आता कि मैंने जनता के समक्ष कभी कोई ऐसा उदाहरण रखा हो , जिससे लोग अपनी दरिद्रता दूर करने की चेष्टा करें | जब राजा ही परजीवी हो गया हो, तो आम आदमी क्या करे ?"

ब्राह्मण ने कहा ," महाराज राजकोष का धन आपका नहीं है , परंतु आपका परिश्रम तो आपका है | आप अपने श्रम से मुझे यदि दस कौड़ियाँ भी कमाकर देंगे , तो मेरी पीढ़ियों का उद्धार हो जाएगा |" महाराज सोचने लगे की अपने ही राज्य में उन्हें कौन काम देगा ? रानी से विचार करने के बाद उन्होंने योजना बनाई और वेश बदलकर बाज़ार की ओर चल पड़े | सुबह जब वह राजमहल लौटे , तो बुरी तरह थके हुए थे , लेकिन चेहरे पर अभूतपूर्व प्रसन्नता थी और दोनों की मुट्ठी में चमक रही थी एक - एक मुद्रा , जो उन्होंने सारी रात एक भड़भूजे का भाड़ झोंककर कमाई थीं | दो मुद्राओं का दान लेने वाले ब्राह्मण की ऊँची अट्टालिका ने महाराज को आश्चर्य में डाल दिया | सदानंद भी महाराज की सवारी देखकर अपने परिवार सहित घर से बहार आया | ब्राह्मण को सामने देखकर महाराज हाथी से उतरे और उत्साहपूर्वक सदानंद से गले मिले और कहा कि आपकी सम्पन्नता

देखकर मैं बहुत प्रसन्न हूँ | सदानंद ने कहा ," महाराज ये आपके अनुग्रह फल है | यदि आपने मुझ पर कृपा कर श्रमदान न दिया होता , तो अपने अकर्मण्य पुत्रों को श्रम का महत्त्व कैसे बता पाता |"

महाराज ने कहा," किंतु दो मुद्राओं से किसी का क्या भला हो सकता है |" सदानंद ने कहा ," महाराज ये उन दो मुद्राओं का ही फल है जिन्होंने मेरे पुत्रों को श्रम का महत्व सिखला दिया |"

(i) महाराज विक्रमादित्य को कब किस घटना का स्मरण हो पाया ?

(ii) राजा विक्रमादित्य के क्रोधित होने का क्या कारण था ?

(iii)"समाज की संपत्ति पैर मेरा कोई अधिकार नहीं |" ब्राह्मण ने ऐसा क्यों और किसलिए कहा ?

(iv) राजा विक्रमादित्य ने ब्राह्मण सदानंद को दान देने के लिए क्या किया ?

(v) सदानंद के पुत्रों ने श्रम के महत्त्व को कैसे जाना ?

Question 4

Answer the following according to the instructions given:-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए (सही विकल्प चुनिए) :

1. 'अमृत ' का पर्यायवाची लिखिए |

(i) होम (ii) ओम (iii) सोम (iv) मोम

2. 'दरिद्र ' का पर्यायवाची लिखिए |

(i) कंगाल (ii) खंगाल (iii) कंकाल (iv) धनवान

3.'आदि ' का विपरीतार्थक (विलोम) शब्द लिखिए |

(i) संत (ii) महंत (iii) साधारण (iv) अंत

4.'आकाश ' का विपरीतार्थक (विलोम) शब्द लिखिए |

(i) पाताल (ii) महाकाल (iii) काल (iv) साल

5. 'कुम्हार ' शब्द का लिंग परिवर्तन कीजिये |

(i) कुम्हारिन (ii) कुमार (iii) कुमारी (iv) कौमारी

6. ' निर्बल ' शब्द का विशेषण लिखिए |

(i) दुर्बल (ii) सबल (iii) प्रबल (iv) निर्बलता

7. 'गिरना' शब्द की भाववाचक संज्ञा लिखिए |

(i) गिर (ii) गिर गया (iii) गिरावट (iv) गहराई

8. 'नारी 'शब्द का बहुवचन लिखिए |

(i) नारियाँ (ii) नारीत्व (iii) नर (iv) लड़की

SECTION B

(Attempt four questions from this section)

(You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any other two questions)

साहित्य सागर - (संक्षिप्त कहानियां)

(SAHITYA SAGAR-SHORT STORIES)

Question 5

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

(बात अठन्नी की - सुदर्शन)

(Baat athanni ki -sudarshan)

"भैया , गुनाह का फल मिलेगा या नहीं ,यह तो भगवान जाने ,पर ऐसी ही कमाई से कोठियों में रहते हैं और एक हम हैं की परिश्रम करने पर भी हाथ में कुछ नहीं आता |

(i)उपर्युक्त कथन किसने , किससे ,कब और क्यों कहा है ? [2]

(ii)वक्ता का संकेत किस 'गुनाह' की ओर है ? वह 'गुनाह' किसने किया था और कैसे ? [2]

(iii)'ऐसी ही कमाई 'द्वारा वक्ता समाज की किस बुराई पर क्या व्यंग्य कर रहा है? स्पष्ट कीजिये [3]

(iv)वक्ता की यह बात सुनकर श्रोता के मन में क्या विचार आए और क्यों ? [3]

Question 6

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :
Question 6

(नेताजी का चश्मा)

(*netaji ka chashma*)

हालदार साहब को हर पंद्रहवें दिन कंपनी के काम के सिलसिले में उस कस्बे से गुज़ारना पड़ता था |

(i) कस्बे की क्या-क्या विशेषताएँ थी ?

(ii) 'नगरपालिका भी कुछ-न-कुछ करती रहती थी '- स्पष्ट कीजिए |

(iii) सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा किसने ,कहाँ लगवाई ? उसे बनाने का काम किसे सौंपा गया और क्यों ?

(iv) नेताजी की मूर्ती की क्या विशेषताएँ थी ? मूर्ती में किस चीज़ की कमी थी ?

साहित्य सागर - (पद्य भाग)

SAHITYA SAGAR (poetry)

Question 8

(साखी)

(saakhi)

गुरु गोबिंद दोऊ खड़े , काके लागू पाँय |

बलिहारी गुरु आपनो , जिन गोबिंद दियौ बताय ||

(i) संत कबीर ने गुरु और ईश्वर की तुलना किस प्रकार की है तथा इस दोहे के माध्यम से क्या सीख दी है ?

(ii) **'गुरु'** और **'भगवान'** को अपने सामने पाकर कबीर के सामने कौन-सी समस्या उत्पन्न हुई ? कबीर ने उसका हल किस प्रकार निकाला और क्यों ?

(iii) **'बलिहारी गुरु आपनो** 'कबीर ने ऐसा क्यों कहा है ?

(iv) **'गुरु गोबिंद दोऊ खड़े** '- शीर्षक साखी के आधार पर गुरु का महत्व प्रतिपादित कीजिये |

(सूर के पद- सूरदास)

(sur ke pad-surdas)

(i) खिलौना न मिलने की स्थिति में श्री कृष्ण यशोदा माता को क्या -क्या कहकर डरा रहे है ?

(ii) तुलसीदास जी का परिचय लिखिए |

(iii) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए :

क. प्रबल ख. अवरुद्ध ग. रफ़्तार घ.बयार ड. दामिनी

(iv) तुलसीदास जी के अनुसार अपने परम स्नेही को भी अपना बैरी समझकर क्यों त्याग देना चाहिए ?